

राष्ट्रीय जलमार्ग-1 में यातायात वसितार

चर्चा में क्यों?

23 दिसंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष कार्याधिकारी सुधांशु पंत ने वाराणसी के सर्कटि हाउस में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 में यातायात वसितार पर आयोजित ट्रेड मीट में बताया कि देश के सबसे लंबे जलमार्ग वाराणसी से डबिर्गूढ़ (बोगीबील) तक जनवरी, 2023 से मालवाहक जहाजों का संचालन शुरू हो जाएगा।

प्रमुख बडि

- सुधांशु पंत ने बताया कि भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण वाराणसी-गाजीपुर-मझऊआं-बाढ़ जलमार्ग को पटना-फरक्का जलमार्ग की तरज़ पर तैयार करेगा। इस जलमार्ग पर जहाजों के 24 घंटे सुगम यातायात के लिये नाइट नेविगेशन सिस्टम भी वकिसति कथि जाएगा।
- उन्होंने बताया कि मालवाहक जहाजों के वाराणसी से संचालन से पूरवांचल के जीआई उतपादों के नरियात को जलमार्ग से जोड़कर इसे बढावा देने की पहल की जाएगी। राष्ट्रीय जलमार्ग-1 का ज़्यादा-से-ज्यादा उपयोग कथि जाने के लिये केंद्र और राज्य सरकार के वभिगों की ओर से सुझाव लेकर जलमार्ग प्राधिकरण अपनी कार्ययोजना तैयार करेगा।
- बैठक में राज्य के पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि वभिन्न प्रकार के अनाज वाराणसी से नरियात होते हैं, जसिके लिये जलमार्ग का उपयोग जल्द ही कथि जाएगा। इसके साथ ही वाणजिय एवं उद्योग मंत्रालय से दक्षिण-पूरव एशियाई देशों को नरियात होने वाले उतपाद तथा उनके मार्गों का वविरण उपलब्ध हो सके तो वाराणसी जलमार्ग से नरियात कथि जाना और भी समृद्ध होगा।
- इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेशन के प्रतनिधि ने जलमार्ग के ज़रथि खाद व यूरथिा का नरियात समय से कराने के लिये गंगा में 24 घंटे जहाजों के संचालन का सुझाव दथि। जलमार्ग मंत्रालय के अधिकारथिों ने इस प्रस्ताव पर सहमत जितई।
- जलमार्ग प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जयंत सहि ने बताया कि वाराणसी-कोलकाता जलमार्ग वर्ष में 300 दिन संचालन के लिये उपलब्ध है। यह गंगा वलिस वाराणसी के पर्यटन को बढावा देने में मील का पत्थर साबति होगा। इसमें 10 जनवरी से 13 जनवरी तक गंगा वलिस के यात्रथिों को काशी दर्शन कराया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि अपरैल से काशी के घाटों को जोड़ते हुए सोलर वाटर टैक्सी के संचालन की तैयारी शुरू कर दी गई है। अगले महीने इसकी नविदिा जारी की जाएगी और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशपि (पीपीपी) मॉडल पर इसका संचालन कथि जाएगा। वाराणसी-कोलकाता व डबिर्गूढ़ जलमार्ग को वकिसति करने के लिये वसितृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है।